व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधियाँ – बैग बनाने का कार्य

स्वयं सहायता समूह – नारी-शक्ति

समूह की जानकारी	
स्वयं सहायता समूह का नाम	नारी-शक्ति
वीएफडीएस का नाम	कोहा रपुर
पर्वत श्रृंखला का नाम	ज्वालामुखी
विभाग का नाम	देहरा वन प्रभाग
वृत्त का नाम	हमीरपुर

के अंतर्गत तैयार किया गया-

हिमाचल प्रदेश के वन-पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जाईका द्वारा समर्थित)

विश्लेषण ;-

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गॉव का भौगोलिक विवरण	6
5.	बाजार क्षमता-	6
6.	कार्यकारी सारांश-	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-	7
8.	उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-	7
9.	उत्पादन नियोजन का विवरण-	8
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	8
11.	स्वोट अनालिसिस	9
12.	अर्थशास्त्र का विवरण	10
13.	लागत-लाभ विश्लेषण (मासिक)	11
14.	स्वयं सहायता समूहों में निधि प्रवाह की व्यवस्था	12
15.	निधि के स्रोत	12
16.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	13
17.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	13
18.	बैंक ऋण का पुनर्भुगतान	13
19.	निगरानी विधि	14
20.	टिप्पणी	14
21.	समूह सदस्यों की तस्वीरें	15
22.	समूह फोटो	16
23.	संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र	17
24.	VFDS और DMU द्वारा व्यवसाय की स्वीकृति	18

1. परिचय

नारी शक्ति स्वयं सहायता समूह (स्वयं सहायता समूह) द्वारा बैग बनाना आय सृजन का एक साधन चुना गया है। यह समूह कोहारपुर कमेटी (vfds) , ज्वालामुखी रेंज और देहरा डिवीजन के अंतर्गत आता है। स्कूल बैग, ट्रैवल बैग, कैरी बैग, स्लिंग बैग, लैपटॉप बैग आदि कई प्रकार के बैग उपलब्ध हैं। ये सभी बैग विभिन्न सामग्रियों से सिलाई करके बनाए जाते हैं। बैग की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है और ये सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी हैं।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना के तहत 03/09/2022 को विभिन्न आयु वर्ग की 20 महिलाओं के एक समूह ने एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) का गठन किया और एक व्यावसायिक योजना तैयार करने का निर्णय लिया जो उन्हें सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपने आईजीए (व्यक्तिगत विकास व्यवसाय) के रूप में अपनाने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस आय सृजन गतिविधि (IGA) में उतरने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर सावधानीपूर्वक चर्चा करने के बाद, नारी-शक्ति स्वयं सहायता समूह ने सामूहिक रूप से बैग बनाने को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में चुना है। इस समूह में 20 महिलाएं शामिल हैं। परियोजना से सहायता मिलने के बाद यह समूह अच्छी गुणवत्ता वाले बैग बनाना शुरू करेगा। परियोजना उन्हें इस कौशल को विकसित करने और पेशेवर बनने के लिए आवश्यक धन, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करके उनका समर्थन करेगी। वे विभिन्न प्रकार के बैग बनाने में सक्षम होंगी और आत्मनिर्भर बनकर आय अर्जित करेंगी। इस परियोजना की विस्तृत व्यावसायिक योजना निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी।

2.	स्वयं सहायता समूह का विवरण	

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	नारी शक्ति
2.	वीएफडीएस	कोहारपुर
3.	श्रेणी	ज्वालामुखी
4.	विभाजन	देहरा
5.	गाँव	गगरुही
6.	अवरोध पैदा करना	भरोली
7.	ज़िला	कांगड़ा
8.	स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	20 महिलाएं
9.	गठन की तिथि	03/09/22
10.	बैंक खाता संख्या एवं IFSC कोड	एचडीएफसी बैंक
11	बैंक विवरण	**IFSC कोड** – HDFC0002878 **खाता संख्या** - 50100530476897
12.	स्वयं सहायता समूह/सीआईजी मासिक बचत	50 रुपये/-
13.	एक माह में कुल बचत	1000 रुपये/-
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद ऋण सीमा	-
16.	भुगतान की स्थिति	-

3. लाभार्थी विवरण

क्रं सं	नाम	पति का नाम/पिता का नाम	आयु	शिक्षा	श्रेणी	आय का स्रोत	पता
1	अनीता देवी (अध्यक्ष)	गुरबचन सिंह की पत्नी	43	10वां	अनुसूचित जाति	कृषि	कोहारपुर
2	सुषमा देवी (सचिव)	मेहर चंद की पत्नी	49	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
3	निर्मला देवी (कोषाध्यक्ष)	परवीन कुमार की पत्नी	40	8	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
4	मोनिका देवी	शशि कुमार की पत्नी	32	12वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
5	सीमा देवी	रामू कुमार की पत्नी	32	12वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
6	सुषमा कुमारी	विपिन कुमार की पत्नी	33	10वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
7	रजनी बाला	अश्वनी कुमार की पत्नी	43	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
8	सीमा देवी	रणवीर सिंह के बिना	50	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
9	अनीता देवी	देवराज की पत्नी	34	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
10	सुदेश कुमारी	राज कुमार की पत्नी	43	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
11	सरोज कुमारी	सुशील कुमार की पत्नी	48	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
12	पवना देवी	राजिंदर कुमार की पत्नी	50	5वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
13	संतोष कुमारी	सुदर्शन कुमार की पत्नी	33	12वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
14	सुरेशा देवी	पंजाब सिंह की पत्नी	38	10वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
15	रेनू बाला	अशोक कुमार की पत्नी	34	10वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
16	सुनीता देवी	अश्वनी कुमार की पत्नी	50	10वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
17	नीलम	रणजीत सिंह की पत्नी	33	10वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
18	वीणा देवी	रमेश चंद की पत्नी	47	5वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
19	सुमन लता	राजकुमार के बिना	31	12वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर
20	सुदेश कुमारी	अनिल कुमार की पत्नी	53	8वां	अन्य पिछड़ा वर्ग	कृषि	कोहारपुर

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

क्रमांक	स्थान का नाम/दूरी/बाजार	दूरी/किमी	टिप्पणी
1	जिला मुख्यालय से दूरी	65 किमी	-
2	मुख्य सड़क से दूरी	5 किमी	-
3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	गगरुही, 3 किमी	-
4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	ज्वालामुखी, 8 किमी	-
5	प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	ज्वालामुखी 8 किमी और नादौन 10 किमी	-
6	उस स्थान/जगह का नाम जहाँ उत्पाद बेचा जाएगा	कांगरा, नादौन, देहरा, ज्वालामुखी	-

5. बाज़ार संभावना

बैग बनाने का हुनर सीखने के बाद, यह नारी-शक्ति स्वयं सहायता समूह अपने क्षेत्र और आसपास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेजी से हो रहे बदलावों और वृद्धि के कारण इस क्षेत्र में अपार बाजार संभावनाएं हैं, क्योंकि नवीनतम डिजाइन के बैगों की मांग पूरे साल बनी रहेगी।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	कोहा रपुर गांव को कवर किया गया ।
2	उत्पाद की मांग	बैगों की मांग साल भर एक जैसी ही रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	आस-पास के ग्रामीण/परिवार/संस्थान।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/दुकानदारों/संस्थानों से सीधे (समूह स्तर पर) ऑर्डर लेंगे।.
5	उत्पाद ब्रांडिंग	नारी शक्ति स्वयं सहायता समुहः
6	उत्पाद का नारा	“नारी शक्ति बैग गुणवत्ता में सर्वश्रेष्ठ है”

6. कार्यकारिणी सारांश

नारी शक्ति नामक स्वयं सहायता समूह ने बैग बनाने को आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना है। यह अंतर्निर्मित व्यवसाय (आईजीए) समूह की सभी 20 महिलाएं मिलकर करेंगी। यह व्यवसाय समूह की सदस्य प्रतिवर्ष करेंगी। आस-पास के बाजार में स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग की काफी मांग है। कई बैठकों के बाद समूह ने अंततः यह निर्णय लिया है कि आस-पास के बाजारों में मांग को देखते हुए यह गतिविधि निश्चित रूप से समूह के लिए आय अर्जित करने का एक अच्छा साधन होगी। सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है ताकि प्रत्येक सदस्य अंतर्निर्मित व्यवसाय को मजबूत करने और अपनी जेब में अतिरिक्त आय लाने में योगदान दे सके।

7. विवरण आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का

1	उत्पाद का नाम	स्कूल बैग, हैंडबैग, ट्रैवल बैग और कैरी बैग
2	उत्पाद की पहचान करने की विधि	कई बैठकों के बाद समूह के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया है।
3	स्वयं सहायता समूह/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. विवरण उत्पादन प्रक्रिया का

- समूह में कुल 20 सदस्य हैं। समूह के लगभग सभी सदस्य प्रतिदिन केवल 4 घंटे ही काम करेंगे क्योंकि उनके पास कृषि और घरेलू काम भी हैं। वे प्रति सप्ताह 6 दिन काम करेंगे, यानी समूह के सदस्य प्रति माह 1800 घंटे काम करेंगे।
- यह समूह शुरू में प्रतिदिन 30 से 35 बोरियां बनाएगा, बाद में अनुभव के साथ वे संख्या बढ़ा सकते हैं। एक महीने में, समूह लगभग 640 बोरियां बनाएगा।

अनुमान/अनुभव के आधार पर, प्रत्येक बैग के निर्माण में मैटी कपड़ा, ज़िप, ताले, स्टिकर, तार की कवरिंग, निवार आदि जैसी सामग्री का उपयोग किया जाएगा; जिसकी लागत बैग के प्रकार और आकार पर निर्भर करेगी। कच्चे माल की लागत लगभग 80 रुपये से 300 रुपये के बीच मानी जा सकती है।

एक सदस्य के एक माह में कुल कार्य घंटे (माह में कुल कार्य दिवस 25 होंगे और प्रतिदिन 4 घंटे) 100 घंटे (25 दिन × 4 घंटे) होंगे। स्वयं सहायता समूह के कुल सदस्यों में से 20 सदस्यों के एक माह में कार्य घंटे 2000 घंटे (25 दिन) होंगे। पूरे समूह के लिए एक माह में कुल श्रम दिवस 250 दिन (2000 ÷ 8) होंगे। श्रम लागत 87500 रुपये (250 × 350) होगी।

9. विवरण उत्पादन का नियोजन

1	प्रति चक्र (माह) उत्पादन	1 महीना = 640 बैग
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं (स्वयं समूह की सदस्यों द्वारा तय किए गए अनुसार प्रति माह रोटेशन के आधार पर)
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रति दिन अपेक्षित बैग उत्पादन	प्रतिदिन 20-30 बैग

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने में अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। कार्य को डेमन सदस्यों की मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार विभाजित किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद) में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

11. SWOT विश्लेषण

- **ताकत**–
  - कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है।
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान।
  - इस उत्पाद की शेल्फ लाइफ लंबी है।
  - कमजोरी-
  - समूह के पास कच्चे माल में निवेश करने और उत्पाद की बिक्री की प्रतीक्षा करने के लिए आरक्षित निधि की कमी है।
  - समूह के सदस्यों में व्यवसाय की सफलता को लेकर आत्मविश्वास की कमी।
  - स्थानीय व्यापारियों द्वारा वर्तमान में आयात किए जा रहे कारखाने में बने थैलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

- **अवसर**–
  - इस उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणी के उत्पादों की तुलना में कम होने के कारण लाभ के अच्छे अवसर मौजूद हैं।
  - बड़े पैमाने पर उत्पादन और साल भर मांग रहने के कारण विस्तार के अवसर मौजूद हैं।

- **खतरे/जोखिम–**
  - समूह के सदस्यों के बीच संघर्ष का खतरा।
  - कच्चे माल की कीमतों में अचानक वृद्धि और प्रतिस्पर्धी बाजार

12.	विवरण अर्थशास्त्र			
क्रमांक.	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**राशि (रु.)**
1.	बैग बनाने की मशीन (95T10) के साथ मोटर और स्टैंड	1	8500	8500
2.	सरल मशीन	10	3500	35000
3.	केवल स्टैंड के साथ टेबल मशीन	9	6000	54000
4.	कैंची	8	300	2400
5.	परिवहन	लमसम	लमसम	1500
कुल पूंजी लागत (ए) = 101400 रुपये				

बी.	**आवर्ती लागत**				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	मेट्टी कपड़ा	मीटर	204 मीटर	140	28560
2	पैराशूट फैब्रिक कपड़ा	मीटर	96 मीटर	130	12480
3	जूट का कपड़ा	मीटर	84 मीटर	120	10080
4	बैग स्टिकर	लमसम	1000	4	4000
5	कुंडे/लॉक/बटन	किलोग्राम	2	1800	3600
6	हॉल का किराया, और स्टेशनरी खर्च	लमसम	1	1500	1500
8	धागा रील 6, 8, 10	नंबर	120	60	7200
9	मशीन सुई 21, 23 नग	-	120	10	1200
10	रनर 5 और 8 के नंबर	दर्जन	48	45	2160
11	तानी बैग	किलो ग्राम	300	6	1800
13	चेन 8 नंबर.	मीटर	216	10	2160
14	श्रम कार्य स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा किया जाएगा।				-
	कुल				**रुपये- 74740/-**

13.	उत्पादन लागत

डी. विक्रय मूल्य की गणना			
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**
1	उत्पादन लागत (कैरी बैग)	1	लगभग 20,60,100,130,400 रुपये
2	अपेक्षित विक्रय मूल्य (स्कूल/लड़कियों के लिए कॉलेज बैग)	1	लगभग 40-80-120-300-400
3	वर्तमान बाजार मूल्य (ट्रैवलिंग बैग)	1	100-150-250-400-500

सी. उत्पादन लागत		
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**
1	कुल आवर्ती लागत	74740/-
2	पूंजी लागत पर वार्षिक 10% मूल्यह्रास	10140/-
कुल –		**84880/-रुपये.**

लागत-लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**
1	पूंजी लागत पर वार्षिक 10% मूल्यह्रास	10140/-
2	कुल आवर्ती लागत	74740/-
3	प्रति माह बैग का कुल उत्पादन	640 (लगभग सभी आकार 100, 80, 60)
4	प्रति बैग का विक्रय मूल्य	40 से 450
5	आय पीढ़ी	224000/-
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	149260/-
7	सकल लाभ (शुद्ध लाभ - श्रम लागत)	61760/-
8	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ का वितरण सदस्यों के बीच मासिक/वार्षिक आधार पर समान रूप से किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे के निवेश के लिए किया जाएगा।

14. स्वयं सहायता समूहों में निधि प्रवाह की व्यवस्था

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना में योगदान 75%	स्वयं सहायता समूह का योगदान 25%
1	कुल पूंजी लागत	101400/-	76050/-	25350/-
2	आवर्ती लागत	74740/-	-	74740/-
3	प्रशिक्षण	45000/-	45000/-	-
कुल		**221140/-**	**121050/-**	**100090/-**

टिप्पणी:

i) पूंजी लागत- 75% पूंजी लागत परियोजना द्वारा और 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत- स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

15. निधि के स्रोत

परियोना समर्थन	✧ यदि सदस्य परियोजना में शामिल होते हैं तो पूंजी लागत का 75% हिस्सा परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा। संबंधित कोअनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिलाएं। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से संबंधित हैं तब 50% पूंजी लागत होगी ।	खरीद मशीनों/उपकरणों का कार्य इनके द्वारा किया जाएगा
	परियोजना द्वारा वहन किया गया। ✧ स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक की राशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमताभवन/कौशल उन्नयन की लागत। ✧ डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए उपलब्ध होगी। स्वयं सहायता समूहों को मूलधन की किश्तें समय पर चुकानी होंगी। नियमित आधार।	संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद।
स्वयं सहायता समूह योगदान	✧ सामान्य वर्ग के लिए पूंजी लागत का 50% और अन्य वर्गों के लिए 25% स्वयं सहायता समूहों द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिलाओं का समूह है तो परियोजना की पूंजी लागत का 25% हिस्सा परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूहों द्वारा वहन किए जाने वाले आवर्ती खर्च।	

16. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। निम्नलिखित हैं: कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

17. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना

पूंजीगत व्यय / [विक्रय मूल्य (प्रति बोरी) - उत्पादन लागत (प्रति बोरी)]
= 101400/ (350-133) = 467 बैग
इस प्रक्रिया में 467 बोरी बनाने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल हो जाएगा।

18. बैंक ऋण का पुनर्भुगतान

यदि ऋण बैंक से लिया जाता है, तो यह नकद क्रेडिट सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल योजना के तहत, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के बकाया मूल ऋण का पूरा भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को करना अनिवार्य है। ब्याज की राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, बैंकों द्वारा निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार ही भुगतान करना होता है।

- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर वाली सब्सिडी सीधे बैंक में जमा की जाएगी। डीएमयू द्वारा वित्तीय संस्थान को यह सुविधा प्रदान की जा रही है और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूह/सीआईजी को मूलधन की किश्तें नियमित रूप से चुकानी होंगी।

निगरानी विधि

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखापरीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और यदि आवश्यक हो तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूहों को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और यदि आवश्यक हो तो इकाई के संचालन को अनुमान के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

इस संबंध में उनके लिए कुछ प्रमुख संकेतक निम्नलिखित क्षेत्र हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

टिप्पणी: -

सदस्य निम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% का योगदान दे सकते हैं, जबकि परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा।

समूह सदस्यों की तस्वीरें: -

Resolution -Cum-Group consensus Form

It is decided in the General House meeting of the group Nari Shakti...... Held on 8/3/2024 at Koharpur......... that our group will undertake the Bag Making as livelihood Income Generation activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh Forest ecosystem Management & Livelihood (JICA Assisted)

Anita Devi

Signature of Group President

सपना देवी

Signature of Group Secretary

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Nari Shakti SHG Group will undertaken the Bag Making as livelihood income Generation Activity under the project for implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem Management and Livelihood (JICA Assisted). In this regards business plan of amount Rs 2211401/- has been submitted by group on 6-3-2024 and the business plan has been approved by the VFDS Kaharpur

Business Plan is submitted through FTU for further action please.

Thankyou

Signature of Group President

signature of Group Secretary

Signature of President VFDS

President
V.F.D.S. Kaharpur

DMU-CUM-DFO

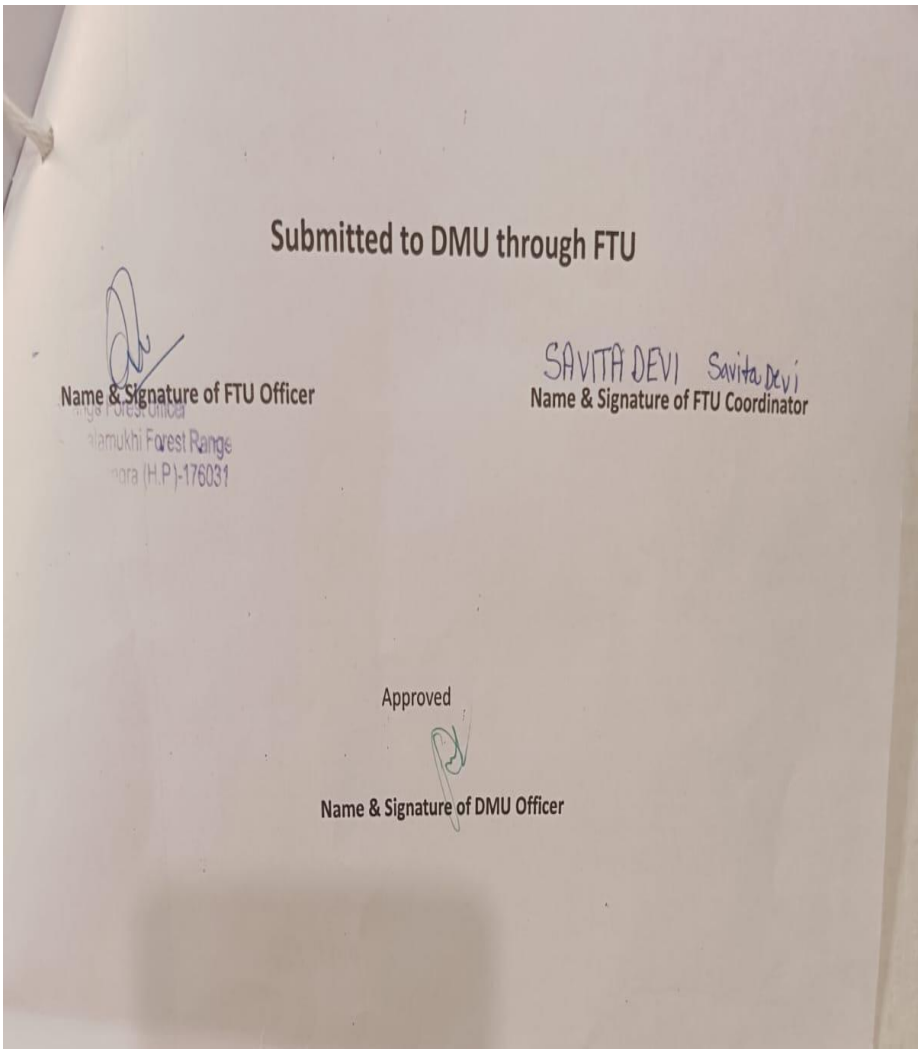

द्वारा तैयार: -

श्री मदन लाल शर्मा (सेवानिवृत्त एचपीएफएस)

दीक्षा (विषय विशेषज्ञ)

सविता देवी (एफटीयू समन्वयक)